an>

Title: Regarding loss of crop due to 'Nilgai' menace in Rajasthan.

श्री राहुल कस्वां (चुरू) : माननीय सभापति महोदय, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर आपका ध्यान आकर्Âिषत करना चाहता हूं। मेरा संसदीय क्षेत्र राजस्थान का चुरू है, जहां हमेशा सूखे की मार पड़ती है। किसान बहुत मेहनत कर के खेती करता है। जो मेरा क्षेत्र है वह अधिकतर वÂर्षा पर निर्भर रहता है।

महोदय, आज की तारीख में, एक बहुत बड़ी समस्या जो गांवों में नजर आती है और जिसके बारे में किसान हमेशा बात करते हैं, वह आवारा पशुओं की है। यह ऐसी समस्या बन गई है कि जब दिसम्बर में ठंड पड़ती है, तो चुरू में टेम्परेचर माइनस में चला जाता है और उस टेम्परेचर में किसान एक खेत से दूसरे खेत में पशुओं को निकालने का ही कार्य करता है। हर गांव में 200 से 250 तक की संख्या में आवारा पशु इकट्ठे हो चुके हैं। इससे गांव में सिक्योरिटी का भी एक बहुत बड़ा इश्यू क्रिएट होता है।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि गांवों के अंदर जहां गोचर भूमि हो, उन गोचर भूमियों की तारबन्दी करा कर, वहीं पर उनकी कोई न कोई व्यवस्था की जाए और पंचायत को पैसा देकर उन्हीं को उनकी देखभाल करने की जिम्मेदारी सौंपी जाए अन्यथा किसानों के लिए सब्सीडाइज्ड रेट्स पर तारबन्दी की व्यवस्था की जाए, ताकि बरसात में जो किसान अपनी फसल बो रहे हैं, वे उसे सुरक्षित कर सकें। समय देने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय सभापति: माननीय सदस्य, श्री राहुल कास्वां द्वारा सदन में उठाए गए विÂषय से सर्वश्री

चन्द्र प्रकाश जोशी,

सुधीर गुप्ता,

भैरोंप्रसाद मिश्र,

कुंवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

पी.पी. चौधरी एवं

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत अपने आपको सम्बद्ध करते हैं।